Resource: अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Questions has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

1CH

1 इतिहास 1:10, 1 इतिहास 1:19, 1 इतिहास 1:43, 1 इतिहास 2:3, 1 इतिहास 2:7, 1 इतिहास 2:13–14, 1 इतिहास 3:4, 1 इतिहास 3:16, 1 इतिहास 4:9–10, 1 इतिहास 4:10, 1 इतिहास 4:27, 1 इतिहास 4:39–40, 1 इतिहास 5:1, 1 इतिहास 5:2, 1 इतिहास 5:6, 1 इतिहास 5:18, 1 इतिहास 5:20, 1 इतिहास 5:22, 1 इतिहास 5:23–24, 1 इतिहास 5:25–26, 1 इतिहास 6:15, 1 इतिहास 6:31, 1 इतिहास 6:32, 1 इतिहास 6:48, 1 इतिहास 6:49, 1 इतिहास 6:49 (#2), 1 इतिहास 6:64–65, 1 इतिहास 7:2, 1 इतिहास 7:5, 1 इतिहास 7:6–7, 1 इतिहास 7:14, 1 इतिहास 7:21–22, 1 इतिहास 7:23, 1 इतिहास 7:27, 1 इतिहास 7:28, 1 इतिहास 7:40, 1 इतिहास 8:6, 1 इतिहास 8:13, 1 इतिहास 8:28, 1 इतिहास 8:32, 1 इतिहास 8:33, 1 इतिहास 8:39–40, 1 इतिहास 9:1, 1 इतिहास 9:1 (#2), 1 इतिहास 9:2, 1 इतिहास 9:11, 1 इतिहास 9:13, 1 इतिहास 9:17–18, 1 इतिहास 9:19, 1 इतिहास 9:21, 1 इतिहास 9:22–24, 1 इतिहास 9:26–27, 1 इतिहास 9:28–29, 1 इतिहास 9:32, 1 इतिहास 9:33, 1 इतिहास 10:1–2, 1 इतिहास 10:4, 1 इतिहास 10:4 (#2), 1 इतिहास 10:5, 1 इतिहास 10:7, 1 इतिहास 10:9–10, 1 इतिहास 10:11–12, 1 इतिहास 10:13–14, 1 इतिहास 10:14, 1 इतिहास 11:1–3, 1 इतिहास 11:4–6, 1 इतिहास 11:7–9, 1 इतिहास 11:11, 1 इतिहास 11:12–14, 1 इतिहास 11:17, 1 इतिहास 11:18, 1 इतिहास 11:19, 1 इतिहास 11:20–21, 1 इतिहास 11:22–23, 1 इतिहास 11:24–25, 1 इतिहास 11:26, 1 इतिहास 12:1–2, 1 इतिहास 12:8, 1 इतिहास 12:14–15, 1 इतिहास 12:16–17, 1 इतिहास 12:18, 1 इतिहास 12:19, 1 इतिहास 12:21, 1 इतिहास 12:23, 1 इतिहास 12:28, 1 इतिहास 12:32, 1 इतिहास 12:38, 1 इतिहास 12:39, 1 इतिहास 13:1–2, 1 इतिहास 13:2–4, 1 इतिहास 13:7–8, 1 इतिहास 13:9, 1 इतिहास 13:11, 1 इतिहास 13:12–13, 1 इतिहास 13:14, 1 इतिहास 14:1–2, 1 इतिहास 14:3, 1 इतिहास 14:8, 1 इतिहास 14:10, 1 इतिहास 14:12, 1 इतिहास 14:13–14, 1 इतिहास 14:15, 1 इतिहास 14:17, 1 इतिहास 15:2, 1 इतिहास 15:3, 1 इतिहास 15:4, 1 इतिहास 15:12, 1 इतिहास 15:14, 1 इतिहास 15:15, 1 इतिहास 15:16, 1 इतिहास 15:26, 1 इतिहास 15:27, 1 इतिहास 15:28, 1 इतिहास 15:29, 1 इतिहास 16:1, 1 इतिहास 16:2–3, 1 इतिहास 16:4, 1 इतिहास 16:7, 1 इतिहास 16:9, 1 इतिहास 16:10–11, 1 इतिहास 16:12–14, 1 इतिहास 16:15–16, 1 इतिहास 16:18, 1 इतिहास 16:19–21, 1 इतिहास 16:23–24, 1 इतिहास 16:25–26, 1 इतिहास 16:28, 1 इतिहास 16:31, 1 इतिहास 16:33, 1 इतिहास 16:35, 1 इतिहास 16:36, 1 इतिहास 16:40, 1 इतिहास 16:43, 1 इतिहास 17:1, 1 इतिहास 17:3, 1 इतिहास 17:7, 1 इतिहास 17:8, 1 इतिहास 17:9, 1 इतिहास 17:11–12, 1 इतिहास 17:14, 1 इतिहास 17:17–18, 1 इतिहास 17:21, 1 इतिहास 17:23, 1 इतिहास 17:26–27, 1 इतिहास 18:1–2, 1 इतिहास 18:3–4, 1 इतिहास 18:5–6, 1 इतिहास 18:8, 1 इतिहास 18:9–11, 1 इतिहास 18:12–13, 1 इतिहास 18:17, 1 इतिहास 19:1–2, 1 इतिहास 19:3, 1 इतिहास 19:4–5, 1 इतिहास 19:6–7, 1 इतिहास 19:8, 1 इतिहास 19:10–11, 1 इतिहास 19:12–13, 1 इतिहास 19:14–15, 1 इतिहास 19:16–17, 1 इतिहास 19:18–19, 1 इतिहास 20:1, 1 इतिहास 20:2–3, 1 इतिहास 20:6–8, 1 इतिहास 21:1–2, 1 इतिहास 21:3, 1 इतिहास 21:4–5, 1 इतिहास 21:7, 1 इतिहास 21:8, 1 इतिहास 21:9–10, 1 इतिहास 21:11–12, 1 इतिहास 21:13, 1 इतिहास 21:14–15, 1 इतिहास 21:16–17, 1 इतिहास 21:18–19, 1 इतिहास 21:20, 1 इतिहास 21:21–22, 1 इतिहास 21:23–24, 1 इतिहास 21:25–27, 1 इतिहास 21:29–30, 1 इतिहास 22:1–2, 1 इतिहास 22:3–5, 1 इतिहास 22:6–8, 1 इतिहास 22:9–10, 1 इतिहास 22:13, 1 इतिहास 22:14, 1 इतिहास 22:19, 1 इतिहास 23:1–3, 1 इतिहास 23:4–6, 1 इतिहास 23:13, 1 इतिहास 23:25–26, 1 इतिहास 23:30–31, 1 इतिहास 24:5, 1 इतिहास 24:19, 1 इतिहास 24:31, 1 इतिहास 25:1, 1 इतिहास 25:3, 1 इतिहास 25:3 (#2), 1 इतिहास 25:8, 1 इतिहास 26:8, 1 इतिहास 26:10, 1 इतिहास 26:12, 1 इतिहास 26:15, 1 इतिहास 26:20, 1 इतिहास 26:27, 1 इतिहास 26:29, 1 इतिहास 27:1, 1 इतिहास 27:1 (#2), 1 इतिहास 27:23, 1 इतिहास 27:25, 1 इतिहास 27:28, 1 इतिहास 27:32, 1 इतिहास 28:3, 1 इतिहास 28:5, 1 इतिहास 28:7, 1 इतिहास 28:8, 1 इतिहास 28:9, 1 इतिहास 28:9 (#2), 1 इतिहास 28:12, 1 इतिहास 28:13, 1 इतिहास 28:19, 1 इतिहास 28:20, 1 इतिहास 28:21, 1 इतिहास 29:1, 1 इतिहास 29:3, 1 इतिहास 29:6, 1 इतिहास 29:9, 1 इतिहास 29:11, 1 इतिहास 29:12, 1 इतिहास 29:14, 1 इतिहास 29:17, 1 इतिहास 29:17 (#2), 1 इतिहास 29:20, 1 इतिहास 29:22, 1 इतिहास 29:25, 1 इतिहास 29:28, 1 इतिहास 29:30

कुश का वंशज निम्रोद, पृथ्वी पर पहला वीर था।

1 इतिहास 1:10

पृथ्वी पर पहला वीर कौन था?

1 इतिहास 1:19

एबेर के एक पुत्र का नाम पेलेग क्यों रखा गया था?

उसके दिनों में पृथ्वी बाँटी गई थी।

1 इतिहास 1:43

इस्राएलियों पर राज्य करने से पहले किस देश में राजा हुए?

इस्राएलियों पर राज्य करने से पहले एदोम के देश में राजा हुए।

1 इतिहास 2:3

यहूदा के जेठे पुत्र एर के साथ क्या हुआ?

वह यहोवा की दृष्टि में बुरा था, इस कारण यहोवा ने उसको मार डाला।

1 इतिहास 2:7

आकार कैसे इस्राएलियों को कष्ट देनेवाला हुआ?

आकार अर्पण की हुई वस्तु के विषय में विश्वासघात करके इस्राएलियों को कष्ट देनेवाला हुआ।

1 इतिहास 2:13–14

यिशै का सातवाँ पुत्र कौन था?दाऊद यिशै का सातवाँ पुत्र था।

1 इतिहास 3:4

दाऊद ने यरूशलेम में कितने वर्षों तक राजा के रूप में राज्य किया?

उसने यरूशलेम में राजा के रूप में तैंतीस वर्ष तक राज्य किया।

1 इतिहास 3:16

इस्राएलियों के लिए अंतिम राजा कौन था?

सिदकिय्याह इस्राएल का अंतिम राजा था।

1 इतिहास 4:9–10

याबेस ने इस्राएल के परमेश्वर को क्या कहकर पुकारा?

इस्राएल के परमेश्वर को यह कहकर पुकारा कि परमेश्वर उसे आशीष दे, उसका देश बढ़ाए, उसे बुराई से बचाए ताकि उससे वो पीड़ित न हो।

1 इतिहास 4:10

क्या याबेस की प्रार्थना का उत्तर मिला?

हाँ, परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना स्वीकार कर ली।

1 इतिहास 4:27

शिमी और उसके भाइयों का सारा कुल गिनती में क्यों न बढ़ा जबकि यहूदा का कुल बढ़ा?

उसके भाइयों के बहुत बेटे न हुए।

1 इतिहास 4:39–40

शिमी के कुछ पुत्र गदोर की घाटी की तराई की पूर्व ओर तक क्यों गए थे?

वे अपनी भेड़-बकरियों के लिए चराई ढूँढ रहे थे और उन्हें वहाँ उत्तम से उत्तम चराई मिली।

1 इतिहास 5:1

रूबेन का जेठे का अधिकार उसके भाई यूसुफ को क्यों दिया गया था?

रूबेन ने अपने पिता के बिछौने को अशुद्ध किया, इस कारण जेठे का अधिकार इस्राएल के पुत्र यूसुफ को दिया गया था।

1 इतिहास 5:2

इस्राएल के किस पुत्र से प्रधान हुआ?

इस्राएल के पुत्र, यहूदा के वंश से प्रधान हुआ।

1 इतिहास 5:6

बाल के पुत्र बएराह के साथ क्या हुआ?

अश्शूर का राजा बंदी बनाकर ले गया।

1 इतिहास 5:18

रूबेनियों, गादियों और मनश्शे के आधे गोत्र के पास कितने सीखे हुए योद्धा थे?

उनके पास ढाल बाँधने, तलवार चलाने, और धनुष के तीर छोड़ने के योग्य और युद्ध करना सीखे हुए चौवालीस हजार सात सौ साठ योद्धा थे।

1 इतिहास 5:20

हग्री क्यों हार गए थे?

वे हार गए थे, क्योंकि इस्राएलियों ने परमेश्वर की दुहाई दी थी और उसने उनकी विनती इस कारण सुनी, कि इन्होंने उस पर भरोसा रखा था।

1 इतिहास 5:22

इस्राएली हाग्रियों के स्थान में कितने समय तक बसे रहे?

वे उनके स्थान में बँधुआई के समय तक बसे रहे।

1 इतिहास 5:23–24

मनश्शे के आधे गोत्र के लोग अपने परिवारों के साथ कहाँ रहते थे?

वे बाशान के क्षेत्र में रहते थे।

1 इतिहास 5:25–26

क्योंकि रूबेनियों, गादियों और मनश्शे के आधे गोत्र ने परमेश्वर के प्रति विश्वासघात किया, तो परमेश्वर ने उनके साथ क्या किया?

परमेश्वर ने अश्शूर के राजा का मन उभारा और इन गोत्र के लोगों को अश्शूर द्वारा बंधुआई में ले जाया गया।

1 इतिहास 6:15

यहोवा ने यहूदा और यरूशलेम को किसके के द्वारा बन्दी बना करके ले जाने दिया?

यहोवा ने यहूदा और यरूशलेम को बाबेल के राजा नबूकदनेस्सर के द्वारा बन्दी बना करके ले जाने दिया।

1 इतिहास 6:31

दाऊद ने जिन लोगों को गाने का अधिकारी ठहराया था उनका कर्तव्य क्या था?

उन्हें तंबू के निवास के सामने गाने की सेवा करनी थी।

1 इतिहास 6:32

यरूशलेम में यहोवा का भवन किसने बनवाया?

सुलैमान ने यहोवा का भवन बनवाया।

1 इतिहास 6:48

इस्राएल के किस गोत्र को निवास की सेवा के लिए अर्पण किया गया था?

लेवियों को इस सेवा को करने के लिए अर्पण किया गया था।

1 इतिहास 6:49

हारून और उसके पुत्र कौन से बलिदान चढ़ाए जाने के लिए जिम्मेदार थे?

वे होमबलि की वेदी, और धूप की वेदी पर चढ़ाए जाने वाले बलिदान के लिए जिम्मेदार थे।

1 इतिहास 6:49 (#2)

ये बलिदान किसके लिए थे?

ये बलिदान इस्राएलियों के पापों के प्रायश्चित के लिए थे।

1 इतिहास 6:64–65

लेवी कहाँ रहते थे, क्योंकि उन्हें अन्य गोत्रों की तरह विशिष्ट भूमि नहीं दी गई थी?

लेवियों को चिट्ठी के द्वारा यहूदियों, शिमोनियों और बिन्यामीनियों के गोत्रों में से नगर चराइयों समेत दिए गए थे।

1 इतिहास 7:2

तोला के पुत्र किस प्रकार के व्यक्ति थे?

वे बड़े वीर और साहसी पुरुष थे।

1 इतिहास 7:5

इस्साकार के गोत्र के योद्धाओं की संख्या कितनी थी?

इस्साकार के गोत्र के पास 87,000 बड़े वीर योद्धा थे।

1 इतिहास 7:6–7

बेला के पुत्र किसके लिए जाने जाते थे?

बेला के पुत्र अपने-अपने पितरों के घरानों के मुख्य पुरुष और बड़े वीर थे।

1 इतिहास 7:14

मनश्शे का अस्रीएल नामक पुत्र किससे उत्पन्न हुआ?

मनश्शे का अस्रीएल नामक पुत्र उसकी अरामी रखैल स्त्री से उत्पन्न हुआ।

1 इतिहास 7:21–22

एप्रैम को बहुत दिनों तक शोक में रहने के दौरान अपने भाइयों से शान्ति की आवश्यकता क्यों थी?

एप्रैम को अपने भाइयों से शांति की आवश्यकता थी, क्योंकि उसके पुत्र एजेर और एलाद को गत के लोगों ने मार डाला था जब वे उनके पशु हर लेने को उतर आए।

1 इतिहास 7:23

एप्रैम ने अपने पुत्र का नाम बरीआ क्यों रखा?

एप्रैम ने अपने पुत्र का नाम बरीआ इस कारण रखा, क्योंकि उसके घराने में विपत्ति पड़ी थी।

1 इतिहास 7:27

नून का पुत्र कौन था?

नून का पुत्र यहोशू था।

1 इतिहास 7:28

यहोशू और उसके परिवार की निज भूमि और बस्तियाँ कहाँ थी?

उनकी निज भूमि और बस्तियाँ गाँवों समेत बेतेल में थी।

1 इतिहास 7:40

आशेर के वंशजों की विशेषताएँ क्या थीं?

आशेर के वंशज अपने-अपने पितरों के घरानों में मुख्य पुरुष, परिवार के प्रधान, योद्धा और बड़े से बड़े वीर थे और प्रधानों में मुख्य थे।

1 इतिहास 8:6

एहूद के वंशजों को क्या करने के लिए विवश किया गया था?

एहूद के वंशजों को मानहत जाने के लिए विवश किया गया था।

1 इतिहास 8:13

एल्पाल के पुत्रों ने किसे बाहर भगा दिया?

उसके पुत्रों ने गत के निवासियों को भगा दिया।

1 इतिहास 8:28

यरोहाम के पुत्र कहाँ रहते थे?

वे यरूशलेम में रहते थे।

1 इतिहास 8:32

मिक्लोत और उसका परिवार कहाँ रहते थे?

मिक्लोत और उसका परिवार यरूशलेम में अपने भाइयों के साथ रहते थे।

1 इतिहास 8:33

शाऊल का पिता कौन था?

शाऊल का पिता किश था।

1 इतिहास 8:39–40

बिन्यामीन के वंशज ऊलाम के पुत्र किस बात के लिए जाने जाते थे?

ऊलाम के पुत्र शूरवीर और धनुर्धारी थे।

1 इतिहास 9:1

सभी इस्राएलियों की वंशावलियाँ कहाँ पर लिखी है?

वंशावलियाँ इस्राएल के राजाओं के वृत्तांत की पुस्तक में लिखी है।

1 इतिहास 9:1 (#2)

यहूदा को बंदी बनाकर बाबेल क्यों पहुँचाया गया?

यहूदा को अपने विश्वासघात के कारण बंदी बनाकर बाबेल को पहुँचाया गया।

1 इतिहास 9:2

अपने नगरों में लौटकर रहने वाले सबसे पहले लोग कौन थे?

अपने नगरों में सबसे पहले रहने वाले लोग इस्राएली, याजक, लेवीय और मंदिर के सेवक थे।

1 इतिहास 9:11

अजर्याह किस लिए जाना जाता था?

अजर्याह परमेश्वर के भवन का याजक और प्रधान था।

1 इतिहास 9:13

अदायाह और मासै के सम्बन्धी किस लिए जाने जाते थे?

वे परमेश्वर के भवन की सेवा के काम में बहुत निपुण पुरुष थे।

1 इतिहास 9:17–18

द्वारपालों द्वारा पहले कौन-सी ज़िम्मेदारी निभाई जाती थी?

द्वारपाल पहले लेवी के वंशजों के छावनी के लिए पूर्व की ओर राजा के फाटक के पास द्वारपाली करते थे।

1 इतिहास 9:19

कोरहियों की ज़िम्मेदारी क्या थी?

कोरही तम्बू के काम और यहोवा की छावनी के प्रवेश द्वार के रखवाले थे, जहाँ यहोवा रहता था।

1 इतिहास 9:21

मशेलेम्याह के पुत्र जकर्याह की क्या जिम्मेदारी थी?

जकर्याह "मिलापवाले" तम्बू के प्रवेश द्वार का द्वारपाल था।

1 इतिहास 9:22–24

द्वारपाल और उनकी संतान ने इस्राएल में क्या किया, जिन्हें दाऊद और शमूएल दर्शी ने विश्वासयोग्य जानकर ठहराया था?

द्वारपाल और उनकी संतान यहोवा के भवन, अर्थात् तम्बू के फाटकों की रखवाली करते थे।।

1 इतिहास 9:26–27

चारों प्रधान द्वारपाल, परमेश्वर के भवन की कोठरियों और भण्डारों की रक्षा का कार्य कैसे पूरा करते थे?

वे परमेश्वर के भवन के आस-पास रात बिताते थे और प्रतिदिन भोर को उसे खोलना उन्हीं का काम था।

1 इतिहास 9:28–29

लैवियों को कौन-कौन से विशेष कार्यों का अधिकारी ठहराया गया था?

उनमें से कुछ लेवी उपासना के पात्रों के अधिकारी थे, और उनमें से कुछ सामान के, और पवित्रस्थान के पात्रों के, और मैदे, दाखमधु, तेल, लोबान और सुगन्ध-द्रव्यों के अधिकारी ठहराए गए थे।

1 इतिहास 9:32

कहातियों की ज़िम्मेदारी क्या थी?

कहातियों को हर विश्रामदिन को भेंटवाली रोटी तैयार करने का काम सौंपा गया था।

1 इतिहास 9:33

गवैये और लेवीय पितरों के घराने के मुखिए सेवा के काम से छूटे थे, तो वे मंदिर में क्यों रहते थे?

गवैये और लेवीय पितरों के घराने के मुखिए जब सेवा के काम से छूटे थे तो वे मंदिर में रहते थे, क्योंकि वे रात-दिन अपने काम में लगे रहते थे।

1 इतिहास 10:1–2

गिलबो नामक पहाड़ पर शाऊल के पुत्रों के साथ क्या हुआ था?

पलिश्ती शाऊल के पुत्रों के पीछे लगे रहे और उन्हें मार डाला।

1 इतिहास 10:4

शाऊल क्यों चाहता था कि उसका हथियार ढोनेवाला अपनी तलवार खींचकर उसे भोंक दे?

शाऊल चाहता था कि उसका हथियार ढोनेवाला उसे भोंक दे ताकि खतनारहित लोग उसका उपहास न कर सकें।

1 इतिहास 10:4 (#2)

जब उसके हथियार ढोनेवाले ने उसे भोंकने से इन्कार कर दिया, तब शाऊल ने क्या किया?

शाऊल अपनी तलवार खड़ी करके उस पर गिर पड़ा।

1 इतिहास 10:5

यह देखकर कि शाऊल मर गया है उसके हथियार ढोनेवाले ने कैसी प्रतिक्रिया व्यक्त की?

यह देखकर कि शाऊल मर गया है उसका हथियार ढोनेवाला अपनी तलवार पर आप गिरकर मर गया।

1 इतिहास 10:7

जब इस्राएलियों ने देखा कि सेना भाग गई है और शाऊल और उसके पुत्र मर गए, तो उन्होंने क्या किया?

वे सब अपने-अपने नगर को छोड़कर भाग गए; और पलिश्ती आकर उनमें रहने लगे।

1 इतिहास 10:9–10

पलिश्तियों ने शाऊल की देह के साथ क्या किया?

पलिश्तियों ने उसके वस्त्रों को उतार दिया और उसके हथियार अपने मन्दिर में रखे, और उसकी खोपड़ी को दागोन के मन्दिर में लटका दिया।

1 इतिहास 10:11–12

गिलाद के याबेश के शूरवीरों ने शाऊल और उसके पुत्रों के शवों के साथ क्या किया?

वे शाऊल और उसके पुत्रों के शवों को उठाकर याबेश में ले आए, और उनकी हड्डियों को याबेश में एक बांज वृक्ष के तले गाड़ दिया।

1 इतिहास 10:13–14

शाऊल क्यों मर गया?

शाऊल विश्वासघात के कारण मर गया, और उसने यहोवा से न पूछा, बल्कि उसने भूत-सिद्धि करनेवाली से पूछकर सम्मति ली थी।

1 इतिहास 10:14

यहोवा ने इस्राएल के राज्य को किसको दे दिया?

यहोवा ने इस्राएल का राज्य यिशै के पुत्र दाऊद को दे दिया।

1 इतिहास 11:1–3

सब इस्राएली दाऊद को इस्राएल का राजा होने के लिए अभिषेक करने के लिए क्यों तैयार थे?

दाऊद और वे एक ही हड्डी और माँस थे, पिछले दिनों में उसने इस्राएली सेना की अगुवाई की और यहोवा ने शमूएल के द्वारा कहा था कि दाऊद इस्राएल का राजा होगा।

1 इतिहास 11:4–6

योआब इस्राएल की सेना का सेनापति कैसे बना?

दाऊद ने कहा था कि जो कोई यबूसियों को सबसे पहले मारेगा, वह सेनापति बनेगा, और योआब सबसे पहले चढ़ गया।

1 इतिहास 11:7–9

जब दाऊद दाऊदपुर में रहने लगा तो उसकी प्रतिष्ठा अधिक क्यों बढ़ती गई?

दाऊद की प्रतिष्ठा अधिक बढ़ती गई, क्योंकि सेनाओं का यहोवा उसके संग था।

1 इतिहास 11:11

याशोबाम किस बात के लिए जाना गया?

याशोबाम ने तीन सौ पुरुषों पर भाला चलाकर, उन्हें एक ही समय में मार डाला था।

1 इतिहास 11:12–14

अहोही एलीआजर की प्रतिष्ठा क्या थी?

इस्राएली सेना के भाग जाने के बाद, अहोही एलीआजर ने जौ के खेत के बीच में खड़े होकर पलिश्तियों को मारा।

1 इतिहास 11:17

दाऊद की अभिलाषा क्या थी?

दाऊद बैतलहम के फाटक के पास के कुएँ का पानी पीना चाहता था।

1 इतिहास 11:18

दाऊद की अभिलाषा को वास्तविकता में बदलने के लिए तीनों वीर पुरुषों ने क्या किया?

वे तीनों वीर पुरुषों ने पलिश्तियों की छावनी पर टूट पड़े और बैतलहम के फाटक के कुएँ से पानी भरकर दाऊद के पास ले आए।

1 इतिहास 11:19

जब दाऊद के वीर अपने प्राण पर खेलकर बैतलहम के कुएं से पानी लाए, तो दाऊद ने वह पानी पीने से इन्कार क्यों किया?

दाऊद ने वह पानी पीने से इन्कार किया क्योंकि वह इसे पीने की कल्पना भी नहीं कर सकता था, जब लोगों ने इसे लाने के लिए अपने प्राणों पर खेला।

1 इतिहास 11:20–21

योआब का भाई अबीशै क्यों प्रतिष्ठित था?

अबीशै तीनों वीरों का प्रधान हो गया था और उसने अपना भाला चलाकर तीन सौ को मार डाला था।

1 इतिहास 11:22–23

यहोयादा के पुत्र, बनायाह की प्रतिष्ठा क्या थी?

बनायाह एक वीर पुरुष था, जिसने हिमऋतु में एक गड्ढे में उतर के एक सिंह को मार डाला, और उसने एक डील-डौल वाले मिस्री पुरुष को उसके हाथ से भाले को छिनकर उसी के भाले से उसे घात किया।

1 इतिहास 11:24–25

दाऊद ने बनायाह को कौन सी जिम्मेदारी सौंपी?

दाऊद बनायाह का बहुत सम्मान करता था, इसलिए दाऊद ने उसे अपने अंगरक्षकों का प्रधान नियुक्त किया।

1 इतिहास 11:26

वो कौन वीर पुरुष योआब का भाई था?

असाहेल वो वीर पुरुष था, जो योआब का भाई था।

1 इतिहास 12:1–2

जब दाऊद शाऊल के डर के मारे छिपा रहता था, तब जो वीर पुरुष उसके पास वहाँ आए, उनकी विशेषता क्या थी?

ये वीर पुरुष बिन्यामीनी थे, जो दाएँ-बाएँ, दोनों हाथों से गोफन के पत्थर और धनुष के तीर चला सकते थे।

1 इतिहास 12:8

जो गादी दाऊद के साथ जंगल के गढ़ में शामिल हुए, उनकी विशेषताएँ क्या थीं?

ये गादी जो शूरवीर थे, और युद्ध विद्या सीखे हुए और ढाल और भाला काम में लानेवाले थे, और उनके मुँह सिंह के से और वे पहाड़ी मृग के समान वेग से दौड़नेवाले थे।

1 इतिहास 12:14–15

गाद के पुत्रों ने इस्राएल को दिए गए देश में क्या किया?

गाद के पुत्र, न केवल यरदन नदी जब सब किनारों के ऊपर-ऊपर बहती थी, उसके पार उतरे, बल्कि सब तराई के रहनेवालों को भगा दिया।

1 इतिहास 12:16–17

जब बिन्यामीनी और यहूदी दाऊद के पास गढ़ में आए, तो दाऊद ने उन्हें क्या चेतावनी दी?

दाऊद ने उनसे कहा कि यदि वे मित्रभाव से उसकी सहायता करने को आए हैं, तब तो दाऊद का मन उनसे लगा रहेगा; परन्तु वे उसे धोखा देकर उसके शत्रुओं के हाथ पकड़वाने आए हों, तो दाऊद के पितरों का परमेश्वर इस पर दृष्टि करके डाँटे, क्योंकि दाऊद के हाथ से कोई उपद्रव नहीं हुआ।

1 इतिहास 12:18

दाऊद की चेतावनी पर अमासै की क्या प्रतिक्रिया थी?

अमासै ने दाऊद से कहा कि हम तेरी ओर के हैं और तेरे सहायकों का कुशल हो, क्योंकि तेरा परमेश्वर तेरी सहायता किया करता है।

1 इतिहास 12:19

जब दाऊद युद्ध में शाऊल के खिलाफ लड़ने के लिए पलिश्तियों के साथ होकर गया, तो पलिश्तियों ने दाऊद को क्यों विदा कर दिया?

पलिश्ती डर गए थे कि दाऊद पलिश्तियों के सिर कटवाकर अपने स्वामी शाऊल से फिर मिल जाएगा।

1 इतिहास 12:21

मनश्शे के लोगों ने, जो बाद में दाऊद की सेना में सेनापति बने, दाऊद की सहायता कैसे की?

मनश्शे के लोग शूरवीर थे जिन्होंने लुटेरों के दल के विरुद्ध लड़कर दाऊद की सहायता की।

1 इतिहास 12:23

लोग लड़ने के लिए हथियार बाँधे हुए हेब्रोन में दाऊद के पास क्यों आए थे?

वे हेब्रोन में दाऊद के पास इसलिए आए थे ताकि यहोवा के वचन के अनुसार शाऊल का राज्य उसके हाथ में कर दें।

1 इतिहास 12:28

सादोक किसके लिए जाना जाता था?

सादोक एक जवान, वीर और साहसी व्यक्ति था।

1 इतिहास 12:32

इस्साकार के दो सौ प्रधानों को किस बात के लिए जाना जाता था?

वे समय को पहचानते थे कि इस्राएल को क्या करना उचित है।

1 इतिहास 12:38

युद्ध के लिए पाँति बाँधनेवाले सब इस्राएली हेब्रोन क्यों आए थे?

वे दाऊद को सारे इस्राएल का राजा बनाने के लिए हेब्रोन में सच्चे मन से आए थे।

1 इतिहास 12:39

इस्राएल के सैनिकों को दाऊद के इस्राएल का राजा बनने के उत्सव में तीन दिन तक खाने-पीने के लिए पर्याप्त भोजन और पेय कहाँ से मिला?

इस्राएली सैनिकों के भाइयों ने उनके लिए तैयारी की थी।

1 इतिहास 13:1–2

दाऊद ने इस्राएल की सारी मण्डली से बात करने से पहले किससे सम्मति ली?

दाऊद ने सहस्त्रपतियों, शतपतियों और सब प्रधानों से सम्मति ली।

1 इतिहास 13:2–4

समस्त मण्डली ने दाऊद की बात सुनकर, इस्राएल में हर जगह दूत भेजने और दाऊद के साथ परमेश्वर के सन्दूक को इस्राएल वापस लाने के लिए क्यों सहमति दी?

समस्त मण्डली ने कहा, कि वे ऐसा ही करेंगे, क्योंकि यह बात उन सब लोगों की दृष्टि में उचित मालूम हुई।

1 इतिहास 13:7–8

जब अबीनादाब के घर से सन्दूक ला रहे थे, तब दाऊद और सभी इस्राएलियों ने क्या किया?

दाऊद और सारे इस्राएली परमेश्वर के सामने पूरी शक्ति से उत्सव को मनाया।

1 इतिहास 13:9

जब बैलों ने ठोकर खाई, और उज्जा ने अपना हाथ सन्दूक थामने को बढ़ाया तो यहोवा ने क्या किया?

यहोवा का कोप उज्जा पर भड़क उठा और यहोवा ने उसको मार डाला।

1 इतिहास 13:11

दाऊद यहोवा से अप्रसन्न क्यों हुआ?

दाऊद अप्रसन्न हुआ क्योंकि यहोवा उज्जा पर टूट पड़ा था।

1 इतिहास 13:12–13

जब दाऊद परमेश्वर से डरा, तो उसने परमेश्वर के संदूक को कहाँ रखा?

दाऊद परमेश्वर के संदूक को ओबेदेदोम नामक गती के घर ले गया।

1 इतिहास 13:14

यहोवा ने ओबेदेदोम के घराने के लिए क्या किया?

यहोवा ने ओबेदेदोम के घराने पर और जो कुछ उसका था उस पर भी आशीष दी।

1 इतिहास 14:1–2

जब सोर के राजा हीराम ने दाऊद के लिए भवन बनाने के लिए दूत, देवदार की लकड़ी, बढ़ई और राजमिस्त्री भेजे, तो दाऊद को क्या निश्चय हो गया?

दाऊद को निश्चय हो गया कि यहोवा ने उसे इस्राएल का राजा करके स्थिर किया है।

1 इतिहास 14:3

जब दाऊद ने यरूशलेम में और स्त्रियों से विवाह कर लिया तो इसका क्या परिणाम हुआ?

दाऊद से और बेटे-बेटियाँ उत्पन्न हुईं।

1 इतिहास 14:8

जब दाऊद ने सुना कि पलिश्तियों ने उसकी खोज में चढ़ाई की, तो उसने क्या किया?

वो पलिश्तियों का सामना करने को निकल गया।

1 इतिहास 14:10

जब दाऊद ने पूछा कि क्या उसे पलिश्तियों पर चढ़ाई करनी चाहिए, तो यहोवा ने दाऊद को क्या उत्तर दिया?

यहोवा ने उससे कहा, चढ़ाई कर, क्योंकि वह उन्हें दाऊद के हाथ में कर देंगे।

1 इतिहास 14:12

दाऊद ने उन देवताओं के साथ क्या करने की आज्ञा दी, जिन्हें पलिश्ती छोड़ गए?

दाऊद ने आज्ञा दिया कि पलिश्तियों के देवताओं को आग लगाकर फूँक दिया जाए।

1 इतिहास 14:13–14

जब पलिश्तियों ने दूसरी बार तराई में धावा बोला, तो परमेश्वर ने दाऊद से कहाँ से छापा मारने के लिए बोला?

परमेश्वर ने दाऊद से कहा कि वह उनसे मुड़कर तूत के वृक्षों के सामने से उन पर छापा मारे।

1 इतिहास 14:15

पलिश्तियों पर आक्रमण से पहले दाऊद को क्या सुनना था?

दाऊद को वृक्षों की फुनगियों में से सेना के चलने की सी आहट सुननी थी।

1 इतिहास 14:17

जब दाऊद की कीर्ति सब देशों में फैल गई, तब यहोवा ने सब जातियों के मन में क्या किया?

यहोवा ने सब जातियों के मन में उसका भय भर दिया।

1 इतिहास 15:2

दाऊद ने किसके लिए कहा कि यहोवा ने केवल उन्हें ही संदूक उठाने के लिए चुना है?

केवल लेवीय लोगों को ही यहोवा ने सन्दूक उठाने के लिए चुना था।

1 इतिहास 15:3

दाऊद ने सब इस्राएलियों को यरूशलेम में किसलिए इकट्ठा किया?

दाऊद ने सबको इसलिए इकट्ठा किया कि यहोवा का सन्दूक उस स्थान पर पहुँचाएँ, जिसे उसने उसके लिए तैयार किया था।

1 इतिहास 15:4

दाऊद ने सन्दूक को लाने के लिए किन्हें इकट्ठा किया?

दाऊद ने हारून की सन्तानों और लेवियों को इकट्ठा किया।

1 इतिहास 15:12

लेवियों के घराने के मुख्य पुरुषों और उनके भाइयों को यहोवा के सन्दूक को उस स्थान पर पहुँचाने के लिए क्या करना था, जिसे दाऊद ने इसके लिए तैयार किया था?

उन्हें अपने भाइयों समेत अपने को पवित्र करना था ताकि वे यहोवा के सन्दूक को पहुँचा सकें।

1 इतिहास 15:14

याजकों और लेवियों ने अपने को पवित्र क्यों किया था?

उन्होंने अपने आपको पवित्र किया, ताकि इस्राएल के परमेश्वर यहोवा का सन्दूक ले जा सकें।

1 इतिहास 15:15

मूसा को लेवियों द्वारा संदूक को डंडों के बल कन्धों पर उठाने की आज्ञा किससे मिली?

यहोवा के वचन द्वारा सन्दूक को उठाने की आज्ञा मिली थी।

1 इतिहास 15:16

दाऊद ने संगीतकारों को नियुक्त करने की आज्ञा किसे दी?

दाऊद ने संगीतकारों को नियुक्त करने की आज्ञा प्रधान लेवियों को दी।

1 इतिहास 15:26

यहोवा की वाचा का सन्दूक उठाने में लेवियों की सहायता किसने की?

परमेश्वर ने सन्दूक उठाने वाले लेवियों की सहायता की।

1 इतिहास 15:27

दाऊद ने क्या पहना था और इसके अतिरिक्त वह और क्या पहने हुए था?

दाऊद ने सन के कपड़े का बागा पहना था और सन के कपड़े का एपोद पहना था।

1 इतिहास 15:28

कौन संदूक को जयजयकार करते, और नरसिंगे, तुरहियां और झाँझ बजाते और सारंगियाँ और वीणा बजाते हुए ले चले?

सब इस्राएली सन्दूक को ले चले।

1 इतिहास 15:29

मीकल ने दाऊद को क्या करते हुए देखकर उसे मन ही मन तुच्छ जाना?

मीकल ने दाऊद राजा को कूदते और खेलते हुए देखा, और उसे मन ही मन तुच्छ जाना।

1 इतिहास 16:1

इस्राएलियों ने परमेश्वर के सामने क्या चढ़ाया जब परमेश्वर का सन्दूक ले आकर उस तम्बू में रखा गया जो दाऊद ने उसके लिए खड़ा कराया था?

उन्होंने होमबलि और मेलबलि चढ़ाया।

1 इतिहास 16:2–3

जब दाऊद ने यहोवा के नाम से प्रजा को आशीर्वाद दिया, तो उसने सब इस्राएलियों को क्या बँटवा दिया?

दाऊद ने सब इस्राएलियों को एक-एक रोटी और एक-एक टुकड़ा माँस और किशमिश की एक-एक टिकिया बँटवा दी।

1 इतिहास 16:4

सन्दूक के सामने सेवा टहल करते समय लेवियों को क्या करने के लिए ठहराया गया?

यहोवा के सन्दूक के सामने सेवा टहल करते समय लेवीय को इस्राएल के परमेश्वर यहोवा की चर्चा और उसका धन्यवाद और स्तुति किया करें।

1 इतिहास 16:7

आसाप और उसके भाइयों को क्या कार्य सौंपा गया था?

यहोवा का धन्यवाद करने का काम आसाप और उसके भाइयों को सौंपा गया था।

1 इतिहास 16:9

आसाप और उसके भाइयों ने जो गीत गाया, उसमें लोगों को क्या बताना था??

उन्हें यहोवा के सब आश्चर्यकर्मों के बारे में बताना था।

1 इतिहास 16:10–11

लोगों को किसके बारे में घमण्ड करना था और खोज करनी थी?

लोगों को यहोवा पर घमण्ड करना था और उसकी खोज करनी थी।

1 इतिहास 16:12–14

यहोवा के चुने हुए, इस्राएल के वंशजों को अपने परमेश्वर यहोवा के बारे में क्या स्मरण करना चाहिए?

उन्हें उसके किए हुए आश्चर्यकर्म, उसके चमत्कार और न्यायवचन स्मरण करने चाहिए।

1 इतिहास 16:15–16

यहोवा ने अब्राहम के साथ कौनसी वाचा बाँधी जिसे इस्राएलियों को सदैव स्मरण रखना चाहिए?

उसने अब्राहम के साथ एक वाचा बाँधी, और इस्राएलियों को यहोवा की वाचा को सदैव स्मरण रखना चाहिए।

1 इतिहास 16:18

यहोवा ने अपने लोगों को उनके निज भाग के रूप में क्या देने का वचन दिया था?

यहोवा ने उन्हें कनान देश देने का वचन दिया।

1 इतिहास 16:19–21

जब इस्राएली गिनती में थोड़े थे और वे एक राज्य से दूसरे राज्य में फिर रहे थे, तब यहोवा ने उनकी रक्षा कैसे की?

उसने किसी भी मनुष्य को उन पर अंधेर न करने दिया।

1 इतिहास 16:23–24

जब लोग यहोवा के लिए गाते हैं और प्रतिदिन उसके किए हुए उद्धार का शुभ समाचार सुनाते हैं तो लोगों को अन्यजातियों में क्या घोषणा करनी है?

उन्हें अन्यजातियों में यहोवा की महिमा, और देश-देश के लोगों में उसके आश्चर्यकर्मों की घोषणा करनी है।

1 इतिहास 16:25–26

स्वर्ग को किसने बनाया है और जो स्तुति के अति योग्य है और वह सब देवताओं से अधिक भययोग्य है?

यहोवा ही ने स्वर्ग को बनाया और जो स्तुति के अति योग्य है और वह सब देवताओं से अधिक भययोग्य है।

1 इतिहास 16:28

यहोवा का क्या मानना चाहिए?

यहोवा की महिमा और सामर्थ्य को मानना चाहिए।

1 इतिहास 16:31

जाति-जाति में लोग यहोवा के विषय में क्या कहेंगे?

जाति-जाति में लोग कहेंगे, "यहोवा राजा हुआ है।"

1 इतिहास 16:33

वन के वृक्ष यहोवा के सामने क्या करेंगे?

वन के वृक्ष यहोवा के सामने जयजयकार करेंगे।

1 इतिहास 16:35

यहोवा को अपने लोगों को इकट्ठा करके उन्हें अन्यजातियों से क्यों छुड़ाना चाहिए?

उसे उन्हें इकट्ठा करके छुड़ाना चाहिए ताकि वे उसके पवित्र नाम का धन्यवाद कर सकें और उसकी स्तुति करते हुए उसके विषय में बड़ाई करें।

1 इतिहास 16:36

इस्राएल के परमेश्वर, यहोवा की स्तुति कब तक की जानी चाहिए?

अनादिकाल से अनन्तकाल तक उसकी स्तुति की जानी चाहिए।

1 इतिहास 16:40

इस्राएल को होम्बली चढ़ाने की आज्ञा और लिखित व्यवस्था किसने दी थी?

यहोवा ने इस्राएल को आज्ञा और लिखित व्यवस्था दी थी।

1 इतिहास 16:43

संदूक पहुँचाने के उत्सव के बाद लोग और दाऊद किस स्थान पर लौटे?

सब लोग अपने-अपने घर चले गए, और दाऊद अपने घराने को आशीर्वाद देने लौट गया।

1 इतिहास 17:1

यहोवा की वाचा का सन्दूक जहाँ स्थित था, उसके बारे में राजा दाऊद को क्या चिंता थी?

उसे इस बात की चिंता थी कि यहोवा की वाचा का सन्दूक तम्बू में रहता है, जबकि वह देवदार के बने हुए घर में रहता है।

1 इतिहास 17:3

यहोवा ने नातान से दाऊद के लिए यहोवा का घर बनाने के विषय में क्या कहने को कहा?

परमेश्वर ने कहा कि यहोवा के निवास के लिए घर दाऊद को नहीं बनाना है।

1 इतिहास 17:7

यहोवा ने दाऊद को भेड़शाला से और भेड़-बकरियों के पीछे-पीछे फिरने के लिए क्यों बुलाया?

उसने दाऊद को भेड़शाला से और भेड़-बकरियों के पीछे-पीछे फिरने के लिए बुलाया ताकि वह यहोवा की प्रजा इस्राएल का प्रधान हो जाए।

1 इतिहास 17:8

यहोवा ने दाऊद के नाम के लिए क्या करने के लिए कहा है?

उसने कहा कि वह दाऊद के नाम को पृथ्वी के बड़े-बड़े लोगों के नामों के समान बड़ा कर देगा।

1 इतिहास 17:9

यहोवा द्वारा इस्राएल के लिए एक स्थान ठहराने, जहाँ वे कभी चलायमान न होंगे, उसके बाद कौन उनको नाश नहीं कर पाएँगे?

कुटिल लोग उनको नाश न करने पाएँगे, जैसे कि पहले दिनों में करते थे।

1 इतिहास 17:11–12

यहोवा क्या कहता है कि दाऊद की आयु पूरी होने के बाद उसके वंशज क्या करेंगे?

दाऊद के वंश में से एक यहोवा के लिए एक घर बनाएगा।

1 इतिहास 17:14

यहोवा के अनुसार दाऊद के वंश की राजगद्दी कब तक अटल रहेगी?

दाऊद के वंश की राजगद्दी सदैव अटल रहेगी।

1 इतिहास 17:17–18

दाऊद के अनुसार यहोवा ने उसके लिए क्या किया था और किस लिए यहोवा ने उसके घराने के विषय भविष्य के बहुत दिनों तक की चर्चा की है?

उसने कहा कि यहोवा ने उसे ऊँचे पद का मनुष्य सा जाना है और उस पर महिमा दिखाई गई है।

1 इतिहास 17:21

दाऊद के अनुसार यहोवा ने अपनी निज प्रजा को मिस्र से क्यों छुड़ाया और उन्हें अपनी प्रजा क्यों बनाया?

यहोवा ने उन्हें मिस्र से इसलिए छुड़ाया ताकि वे बड़े और डरावने काम करके अपना नाम करे।

1 इतिहास 17:23

दाऊद यहोवा से क्या प्रार्थना करता है कि वह उस वचन को पूरा करे जो उसने अपने दास के और उसके घराने के विषय दिया है, वह सदैव अटल रहे?

दाऊद यहोवा से प्रार्थना करता है कि यहोवा अपने वचन के अनुसार ही करें।

1 इतिहास 17:26–27

यहोवा ने अपने दास दाऊद के घराने के लिए क्या प्रतिज्ञा की?

यहोवा ने प्रतिज्ञा की कि उसके दास का घराना सदैव बना रहेगा और सदैव आशीषित बना रहेगा।

1 इतिहास 18:1–2

दाऊद ने किन दो समूहों पर आक्रमण किया और उन्हें पराजित किया?

उसने पलिश्तियों और मोआबियों पर आक्रमण किया और उन्हें पराजित किया।

1 इतिहास 18:3–4

दाऊद ने उन सौ रथवाले घोड़ों का क्या किया जो हदादेजेर से पकड़े गए घोड़ों की नस कटवाने के बाद बचे थे?

उसने सौ रथों के लिए पर्याप्त एक सौ रथवाले घोड़े बचा कर रखे।

1 इतिहास 18:5–6

दाऊद ने दमिश्क के अराम में बाईस हजार अरामियों को मारने के बाद वहाँ क्या किया ?

दाऊद ने दमिश्क के अराम में सिपाहियों की चौकियाँ बैठाईं।

1 इतिहास 18:8

दाऊद ने हदादेजेर से क्या लिया जिसे सुलैमान ने बाद में मन्दिर के लिए वस्तुएँ बनाने में उपयोग किया?

दाऊद ने हदादेजेर से बहुत सा पीतल ले लिया।

1 इतिहास 18:9–11

राजा दाऊद ने उन सोने, चाँदी और पीतल के पात्रों का क्या किया जिन्हें हदोराम, हमात के राजा तोऊ से दाऊद

के लिए लाया था और उस चाँदी और सोने का क्या किया जिसे दाऊद ने सभी जातियों से प्राप्त किया था?

दाऊद ने इन पात्रों को यहोवा के लिए पवित्र करके रखा।

1 इतिहास 18:12–13

उस युद्ध के बाद सभी एदोमियों का क्या हुआ, जिसमें अबीशै ने 18,000 एदोमियों को मार डाला था?

सब एदोमी दाऊद के अधीन हो गए।

1 इतिहास 18:17

जब दाऊद समस्त इस्राएल पर राज्य करता था, और वह अपनी सब प्रजा के साथ न्याय और धार्मिकता के काम करता था, तब उसके मुखिए कौन थे?

दाऊद के पुत्र राजा के पास मुखिए होकर रहते थे।

1 इतिहास 19:1–2

दाऊद अम्मोनियों के राजा नाहाश के पुत्र, हानून के प्रति प्रीति क्यों दिखाना चाहता था जब उसका पिता मर गया?

हानून के पिता नाहाश ने दाऊद पर प्रीति दिखाई थी।

1 इतिहास 19:3

क्या अम्मोन के हाकिमों ने यह माना कि दाऊद हानून को शांति देने की कोशिश कर रहा था क्योंकि दाऊद के कर्मचारी उनके देश में प्रवेश कर रहे थे?

हाकिमों ने सोचा कि दाऊद के कर्मचारी देश का भेद लेने, ढूँढ-ढाँढ करने आ रहे थे ताकि दाऊद उनके देश को नष्ट कर सकें।

1 इतिहास 19:4–5

हानून ने दाऊद के कर्मचारियों के साथ क्या किया जिससे वे कर्मचारी बहुत लज्जित हुए?

उसने उनके बाल मुँण्डवाए, और आधे वस्त्र अर्थात् नितम्ब तक कटवा दिए।

1 इतिहास 19:6–7

अम्मोरियों ने रथ और घुड़सवार किराए पर क्यों लिए?

उन्होंने युद्ध की तैयारी के लिए रथों और घुड़सवारों को किराए पर लिया क्योंकि वे दाऊद के लिए घिनौने बन गए थे।

1 इतिहास 19:8

जब दाऊद ने सुना कि अम्मोनियों ने युद्ध की तैयारी की है, तो उसने किसे भेजा?

दाऊद ने योआब और शूरवीरों की पूरी सेना को भेजा।

1 इतिहास 19:10–11

जब योआब ने अम्मोनियों और अरामियों की पांतियाँ बंधी देखी, तो उसने उनके साथ लड़ाई की व्यवस्था कैसे की?

योआब ने सब बड़े-बड़े इस्राएली वीरों में से कुछ को छांटकर अरामियों के सामने उनकी पाँति बँधाई और शेष लोगों को अपने भाई अबीशै के हाथ सौंप दिया, और उन्होंने अम्मोनियों के सामने पाँति बाँधी।

1 इतिहास 19:12–13

योआब ने अपने भाई से क्या कहा?

योआब ने अपने भाई से कहा कि यदि आवश्यकता हो तो उन्हें एक-दूसरे की सहायता करनी चाहिए, और उन्हें हियाव बाँधना चाहिए क्योंकि यहोवा जैसा उसको अच्छा लगे, वैसा ही करेगा।

1 इतिहास 19:14–15

अम्मोन की सेना अपने नगर वापस क्यों भाग गई?

अम्मोन की सेना यह देखकर कि अरामी लोग इस्राएल की सेना के सामने से भाग गए हैं, इसलिए वे अपने नगर की ओर भागे।

1 इतिहास 19:16–17

दाऊद ने सब इस्राएलियों को क्यों इकट्ठा किया और अरामियों के खिलाफ पाँति क्यों बँधाई?

दाऊद सुना कि अरामियों ने अतिरिक्त अरामियों को बुलवाया है।

1 इतिहास 19:18–19

अरामियों ने अम्मोनियों की सहायता फिर क्यों न करनी चाही?

जब दाऊद ने अम्मोनियों के 47 हजार पुरुषों और सेना के सेनापति को मार डाला, तब अरामियों ने अम्मोनियों की सहायता करनी न चाही।

1 इतिहास 20:1

जब दाऊद यरूशलेम में रह गया, तब योआब ने क्या किया?

योआब ने भारी सेना संग ले जाकर अम्मोनियों का देश उजाड़ दिया और आकर रब्बाह को घेर लिया और पराजित किया।

1 इतिहास 20:2–3

राजा के सिर से मुकुट उतारकर और उसे अपने सिर पर रखकर, दाऊद ने लोगों को क्या करने के लिए प्रेरित किया?

उसने उन्हें कठिन श्रम करने के लिए बाध्य किया।

1 इतिहास 20:6–8

जब रपाईम के वंशजों ने इस्राएल की सेना को ललकारा, तो क्या हुआ?

वे दाऊद और उसके सेवकों के हाथ से मार डाले गए।

1 इतिहास 21:1–2

दाऊद ने इस्राएल के लोगों की गिनती करने का निर्णय क्यों लिया?

यदि कोई शत्रु इस्राएल के विरुद्ध उठता, तो दाऊद यह जानना चाहता था कि उसकी सेना में कितने लोग हैं।

1 इतिहास 21:3

योआब ने दाऊद की प्रजा गिनने की आज्ञा का क्या उत्तर दिया?

उसने कहा कि यह इस्राएल पर दोष लगने का कारण बनेगा।

1 इतिहास 21:4–5

जब राजा ने योआब से लोगों की गिनती करने की आज्ञा दी, तो योआब ने क्या किया?

वह गया और वापस आकर उन पुरुषों की गिनती का जोड़ सुनाया जो युद्ध करने में सक्षम थे।

1 इतिहास 21:7

परमेश्वर ने इस्राएल के सैनिकों की गिनती करने पर दाऊद को कैसी प्रतिक्रिया दी?

यह बात परमेश्वर को बुरी लगी, इसलिए उसने इस्राएल को मारा।

1 इतिहास 21:8

जब परमेश्वर ने इस्राएल को मारा, तो दाऊद को कैसा महसूस हुआ?

उसे योआब को सैनिकों की गिनती के लिए भेजने पर महापाप महसूस हुआ।

1 इतिहास 21:9–10

दाऊद के अंगीकार की प्रतिक्रिया में, यहोवा ने उसे क्या प्रस्ताव दिया?

यहोवा ने उसे तीन विपत्तियाँ दिखाई।

1 इतिहास 21:11–12

यहोवा ने दाऊद को कौन-कौन सी तीन विपत्तियाँ दिखाई?

दाऊद, तीन वर्षों के अकाल, तीन महीने तक अपने शत्रुओं द्वारा नाश किए जाने, या तीन दिन तक यहोवा की तलवार के चलने में से कोई एक चुन सकता था।

1 इतिहास 21:13

तीन विपत्तियों में से दाऊद ने कौनसी विपत्ति चुनी?

उसने यहोवा की तलवार के तीन दिन चुने।

1 इतिहास 21:14–15

दाऊद के चयन के परिणाम क्या थे?

यहोवा ने मरी फैलाई और कई लोग मारे गए। यहोवा ने यरूशलेम को भी नाश करने के लिए एक दूत भेजा, परन्तु यहोवा ने अपना मन बदल लिया।

1 इतिहास 21:16–17

जब दाऊद ने तलवार के साथ दूत को देखा, तो उसने कैसी प्रतिक्रिया दी?

उसने अंगीकार किया और प्रार्थना की कि परमेश्वर उसके और उसके घराने के विरुद्ध हो, परन्तु प्रजा के विरुद्ध न हो।

1 इतिहास 21:18–19

ओर्नान के खलिहान में दाऊद को क्या करने की आज्ञा दी गई?

उसे यहोवा की एक वेदी बनाने की आज्ञा दी गई।

1 इतिहास 21:20

ओर्नान ने दूत को देखकर क्या प्रतिक्रिया व्यक्त की?

वह और उसके चारों बेटे दूत से छिप गए।

1 इतिहास 21:21–22

जब ओर्नान ने दाऊद को देखा, तो दाऊद ने उससे क्या कहा?

उसने ओर्नान से खलिहान के स्थान को उसे बेचने के लिए कहा।

1 इतिहास 21:23–24

ओर्नान ने क्या प्रस्ताव दिया जिसे दाऊद ने अस्वीकार कर दिया?

ओर्नान ने दाऊद को खलिहान, बैल और गेहूँ देने का प्रस्ताव दिया।

1 इतिहास 21:25–27

जब दाऊद ने खलिहान खरीद लिया और एक वेदी बनाई, तो यहोवा ने उसकी प्रार्थना का उत्तर कैसे दिया?

यहोवा ने वेदी पर स्वर्ग से आग गिराकर उसकी सुन ली और स्वर्गदूत से अपनी तलवार को म्यान में करने के लिए कहा।

1 इतिहास 21:29–30

दाऊद गिबोन के निवास में क्यों नहीं जा सका?

दाऊद यहोवा के दूत की तलवार से डर गया था।

1 इतिहास 22:1–2

दाऊद ने यहोवा के भवन को बनाने के स्थान की घोषणा के बाद अपने दासों को क्या आज्ञा दी?

उसने इस्राएल के देश में जो परदेशी थे उनको इकट्ठा करने की आज्ञा दी और परमेश्वर का भवन बनाने को पत्थर गढ़ने के लिए संगतराश ठहरा दिए।

1 इतिहास 22:3–5

दाऊद ने मरने से पहले यहोवा के भवन को बनाने के लिए कौन-कौन सी तैयारियाँ की?

उसने बहुत सा लोहा, पीतल और देवदार इकट्ठे किए।

1 इतिहास 22:6–8

दाऊद ने सुलैमान को यहोवा के लिए भवन बनाने की आज्ञा क्यों दी?

यहोवा ने दाऊद से कहा कि वह यहोवा का भवन न बनाने पाएगा, क्योंकि उसने बहुत लहू बहाया है।

1 इतिहास 22:9–10

यहोवा ने दाऊद से उसके पुत्र के लिए क्या करने के लिए कहा?

वह उसको चारों ओर के शत्रुओं से शान्ति देगा और सुलैमान की राजगद्दी को इस्राएल के ऊपर सदा के लिए स्थिर रखेगा।

1 इतिहास 22:13

दाऊद ने सुलैमान से क्या चौकसी करने के लिए कहा?

दाऊद ने सुलैमान से उन विधियों और नियमों पर चलने की चौकसी करने के लिए कहा, जिनकी आज्ञा यहोवा ने इस्राएल के लिए मूसा को दी थी।

1 इतिहास 22:14

दाऊद ने सुलैमान को यहोवा के भवन के लिए तैयार की गई सारी सामग्री के साथ क्या करने को कहा?

उसने कहा कि सुलैमान उनको बढ़ा सकेगा।

1 इतिहास 22:19

दाऊद ने सुलैमान से जी लगाकर क्या करने के लिए कहा?

उसने सुलैमान से जी लगाकर यहोवा परमेश्वर का पवित्रस्थान बनाने के लिए कहा।

1 इतिहास 23:1–3

इस्राएल के राजा के रूप में दाऊद ने कौन-कौन से अंतिम कार्य किए?

दाऊद ने अपनी जगह सुलैमान को इस्राएल पर राजा नियुक्त कर दिया, और जितने लेवीय तीस वर्ष के थे, वे गिने गए।

1 इतिहास 23:4–6

दाऊद ने लेवियों को किन कार्यों के लिए नियुक्त किया?

दाऊद ने उन्हें यहोवा के भवन का काम चलाने के लिए, सरदार और न्यायी, द्वारपाल और अन्य लोगों को बाजों से यहोवा की स्तुति करने के लिए नियुक्त किया।

1 इतिहास 23:13

हारून और उसकी संतान को सदा के लिए क्या कार्य करने के लिए अलग किया गया?

हारून और उसकी संतान को सदा परमपवित्र वस्तुओं को पवित्र ठहराने, यहोवा के सम्मुख धूप जलाने, उसकी सेवा टहल करने और यहोवा के नाम में सदैव आशीर्वाद देने के लिए अलग किया गया।

1 इतिहास 23:25–26

अब लेवियों को निवास का सामान क्यों नहीं उठाना पड़ेगा?

यहोवा ने उन्हें यरूशलेम में सदैव रहने के लिए एक विश्राम स्थान दिया था।

1 इतिहास 23:30–31

लेवियों ने यहोवा को धन्यवाद देने और उसकी स्तुति करने के लिए समय कब निकाला?

उन्होंने प्रति भोर और प्रति साँझ को यहोवा की स्तुति, और विश्रामदिनों और नियत पर्वों में नित्य यहोवा के सब होमबलियों को चढ़ाया।

1 इतिहास 24:5

उन्होंने निवासस्थान में सेवा के लिए याजकों को बाँटने के लिए कौनसी विधि अपनाई?

उन्होंने उन्हें चिट्ठी डालकर बराबर-बराबर बाँट लिया।

1 इतिहास 24:19

हारून की संतान के लिए यहोवा के भवन में जाने की प्रक्रिया क्या थी?

उन्हें यहोवा की आज्ञा के अनुसार ठहराए गए नियम से यहोवा के भवन में जाना था।

1 इतिहास 24:31

हारून की सन्तानों ने किस विधि का पालन किया?

उन्होंने राजा के सामने चिट्ठियाँ डालीं।

1 इतिहास 25:1

आसाप, हेमान और यदूतून के पुत्रों ने वीणा, सारंगी और झाँझ के साथ क्या किया?

इन पुरुषों ने वीणा, सारंगी और झाँझ के साथ नबूवत की।

1 इतिहास 25:3

यद्दूतून के पुत्र वीणा किसलिए बजाते थे?

यहोवा का धन्यवाद और स्तुति करने के लिए वीणा बजाते थे।

1 इतिहास 25:3 (#2)

परमेश्वर ने हेमान का नाम बढ़ाने के लिए क्या दिया?

परमेश्वर ने उसे चौदह बेटे और तीन बेटियाँ दी।

1 इतिहास 25:8

जब उन्होंने अपनी-अपनी बारी के लिए चिट्ठियाँ डालीं, तो किन-किन संगीतकारों को शामिल किया गया?

उन्होंने क्या बड़ा, क्या छोटा, क्या गुरु, क्या चेला, अपनी-अपनी बारी के लिए चिट्ठी डाली।

1 इतिहास 26:8

ओबेदेदोम के पुत्र और भाई क्या करने में सक्षम थे?

वे लोग निवासस्थान की सेवकाई के लिए बलवान और शक्तिमान थे।

1 इतिहास 26:10

जेठा न होने पर भी शिम्री मुख्य कैसे बना?

शिम्री को जेठा न होने पर भी उसके पिता ने मुख्य ठहराया।

1 इतिहास 26:12

द्वारपाल कहाँ सेवा टहल करते थे?

द्वारपाल यहोवा के भवन में सेवा टहल करते थे।

1 इतिहास 26:15

दक्षिण फाटक के अतिरिक्त ओबेदेदोम के बेटों के नाम किसके लिए चिट्ठी निकली?

उसके बेटों के नाम पर खजाने की कोठरी के लिए भी चिट्ठी निकली।

1 इतिहास 26:20

परमेश्वर के भवन में अहिय्याह किसका अधिकारी नियुक्त हुआ?

वह परमेश्वर के भवन और पवित्र की हुई वस्तुओं का अधिकारी नियुक्त हुआ।

1 इतिहास 26:27

दाऊद और उसके सेनापतियों ने लड़ाइयों में मिलने वाली लूट का कुछ भाग किस उद्देश्य से पवित्र किया?

जो लूट लड़ाइयों में मिलती थी, उसमें से उन्होंने यहोवा का भवन दृढ़ करने के लिए कुछ पवित्र किया।

1 इतिहास 26:29

कनन्याह और उसके पुत्र किसके सरदार और न्यायी नियुक्त हुए?

वे इस्राएल के देश का काम अर्थात् सरदार और न्यायी का काम करने के लिए नियुक्त हुए।

1 इतिहास 27:1

सेना के एक-एक दल कब सेवा टहल करते थे?

वे वर्ष भर के महीने-महीने सेवा टहल करते थे।

1 इतिहास 27:1 (#2)

सेना के एक-एक दल में कितने पुरुष थे?

एक-एक दल में 24,000 पुरुष थे।

1 इतिहास 27:23

दाऊद ने बीस वर्ष की अवस्था के नीचे के लोगों की गिनती क्यों नहीं की?

दाऊद ने उनकी गिनती नहीं की, क्योंकि यहोवा ने इस्राएल की गिनती आकाश के तारों के बराबर बढ़ाने के लिए कहा था।

1 इतिहास 27:25

उज्जियाह का पुत्र यहोनातान किसका अधिकारी था?

देहात और नगरों और गाँवों और गढ़ों के भण्डारों का अधिकारी उज्जियाह का पुत्र यहोनातान था।

1 इतिहास 27:28

नीचे के देश में किस प्रकार के वृक्ष थे?

नीचे के देश में जैतून और गूलर के वृक्ष थे।

1 इतिहास 27:32

दाऊद का भतीजा, योनातान, एक मंत्री क्यों था?

वह एक मंत्री था, क्योंकि वह समझदार और शास्त्री था।

1 इतिहास 28:3

परमेश्वर ने क्यों कहा कि दाऊद उसके नाम का भवन बनाने न पाएगा?

परमेश्वर ने कहा कि वह इसे बनाने न पाएगा, क्योंकि वह युद्ध करनेवाला है और उसने लहू बहाया है।

1 इतिहास 28:5

यहोवा ने दाऊद के पुत्र सुलैमान को इस्राएल पर क्या करने के लिए चुना?

उसने सुलैमान को चुन लिया है, कि वह इस्राएल के ऊपर यहोवा के राज्य की गद्दी पर विराजे।

1 इतिहास 28:7

यदि सुलैमान उसकी आज्ञाओं और नियमों के मानने में दृढ़ रहे, तो यहोवा ने उसके लिए क्या करने के लिए कहा है?

यहोवा ने कहा कि वह उसके राज्य को सदा स्थिर रखेंगे।

1 इतिहास 28:8

यदि सभी लोग यहोवा की सब आज्ञाओं को माने तो जिस अच्छे देश के वे अधिकारी हैं, उसका क्या होगा?

वे अच्छे देश के अधिकारी बने रहेंगे, और उसे अपने बाद अपने वंश का सदा का भाग होने के लिए छोड़ जाएँगे।

1 इतिहास 28:9

यहोवा हर किसी के विचारों को कैसे समझता है?

यहोवा हर एक के विचार में जो कुछ उत्पन्न होता है उसे समझते हैं।

1 इतिहास 28:9 (#2)

यदि सुलैमान यहोवा को त्याग दे तो क्या परिणाम होगा?

यहोवा सदा के लिए उसको छोड़ देंगे।

1 इतिहास 28:12

परमेश्वर के भवन में कोठरियों और भण्डारों में क्या-क्या रखे जाते थे?

कोठरियों और भण्डारों मंदिर के लिए पवित्र की हुई वस्तुओं के लिए थे।

1 इतिहास 28:13

याजकों और लेवियों को कहाँ सेवा करने की जिम्मेदारियाँ सौंपी गई थी?

उन्हें यहोवा के भवन की सेवा के लिए ज़िम्मेदारी सौंपी गई थी।

1 इतिहास 28:19

दाऊद को जो कुछ भी लिखना था, उसके लिए वह कैसे प्रेरित हुआ?

यहोवा की शक्ति से उसने सबकुछ बुझकर अर्थात् समझकर लिखा।

1 इतिहास 28:20

दाऊद ने यहोवा की उपस्थिति के बारे में सुलैमान से क्या वादा किया, जब तक कि सारा काम पूरा न हो जाए?

जब तक यहोवा के भवन में जितना काम करना हो वह न हो चुके, तब तक वह न तो उसे धोखा देगा और न उसे त्यागेगा।

1 इतिहास 28:21

हाकिम और सारी प्रजा के लोग क्या करने के लिए तैयार थे?

जो कुछ सुलैमान कहेगा, वही करने के लिए वे तैयार थे।

1 इतिहास 29:1

दाऊद ने क्यों कहा कि मन्दिर बनने का काम तो भारी था?

काम तो भारी था, क्योंकि यह भवन मनुष्य के लिए नहीं, यहोवा परमेश्वर के लिए था।

1 इतिहास 29:3

दाऊद ने परमेश्वर के भवन के लिए अपना निज धन क्यों दे दिया?

उसका मन अपने परमेश्वर के भवन में लगा था।

1 इतिहास 29:6

पितरों के घरानों के प्रधानों ने किस प्रकार की भेंटें दी?

उन्होंने अपनी-अपनी इच्छा से भेंटें दी।

1 इतिहास 29:9

लोग अपनी-अपनी इच्छा से दी गई भेंटों के लिए क्यों आनन्दित हुए?

वे आनन्दित हुए, क्योंकि उन्होंने खरे मन से यहोवा के लिए भेंटें दी थी।

1 इतिहास 29:11

दाऊद क्या कहता है कि यहोवा का है?

आकाश और पृथ्वी में जो कुछ है, वह यहोवा ही का है, और राज्य भी उसी का है।

1 इतिहास 29:12

सब लोगों को बढ़ाने और बल देने में यहोवा कैसे सक्षम है?

सामर्थ्य और पराक्रम उसके ही हाथ में हैं, इस कारण वह किसी को भी बल देने में सक्षम है।

1 इतिहास 29:14

लोगों ने यहोवा को जो भेंटें दी, उसके बारे में दाऊद ने क्या कहा?

यहोवा ही से सबकुछ मिलता है और उन्होंने उसके हाथ से पाकर उसी को दी है।

1 इतिहास 29:17

जब परमेश्वर मन को जाँचता है तो वह किससे प्रसन्न रहता है?

यहोवा मन को जाँचता है और सिधाई से प्रसन्न रहता है।

1 इतिहास 29:17 (#2)

दाऊद ने वहाँ उपस्थित परमेश्वर की प्रजा के लोगों को आनन्द से क्यों देखा?

उसने आनन्द से देखा कि वे अपनी इच्छा से यहोवा के लिए भेंट देते हैं।

1 इतिहास 29:20

सारी सभा ने कैसे यहोवा को धन्यवाद दिया और दण्डवत् किया?

सारी सभा ने यहोवा का धन्यवाद किया, और अपना-अपना सिर झुकाकर यहोवा को दण्डवत् किया।

1 इतिहास 29:22

किसकी ओर से उन्होंने सुलैमान का राजा होने के लिए अभिषेक किया?

उन्होंने यहोवा की ओर से उसका अभिषेक किया।

1 इतिहास 29:25

यहोवा ने सुलैमान को सब इस्राएल के देखते कैसे बहुत बढ़ाया?

उसने उसे ऐसा राजकीय ऐश्वर्य दिया, जैसा उससे पहले इस्राएल के किसी राजा का न हुआ था।

1 इतिहास 29:28

अपने पूरे बुढ़ापे की अवस्था में दीर्घायु होकर दाऊद ने किन दो बातों का मनमाना भोग लिया?

उसने धन और वैभव का मनमाना भोग लिया।

1 इतिहास 29:30

इस्राएल के अलावा, दाऊद की उपलब्धियों से कौन-कौन से राज्य प्रभावित हुए थे?

नबियों ने उसकी उपलब्धियों और उन घटनाओं को दर्ज किया जिन्होंने अन्य देशों के सभी राज्यों को प्रभावित किया।